



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड I
PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

16/7
31/7/97

सं० 140]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 25, 1997/श्रावण 3, 1919

No.140]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 25, 1997/SHRAVANA 3, 1919

वाणिज्य मंत्रालय

सार्वजनिक सूचना संख्या 27 (पी एन)/1997—2002

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 1997

फा. सं पी आर यू/ए एस/97098/जी एण्ड जे:—सा.आ. संख्या 283 (अ) दिनांक 31-3-97 के तहत असाधारण राजपत्र, भाग-2, खण्ड-3, उप खण्ड- (2) में प्रकाशित निर्यात और आयात नीति, 1997—2002 के पैराग्राफ 4.14 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए महानिदेशक, विदेश व्यापार प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1), 1997-2002 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

1. पैराग्राफ 8.37 को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

परिशुद्धता के मामले में, समान मात्रा के अनुसार स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की मात्रा के परिवर्तन हेतु निम्नलिखित फार्मूला प्रयोग में लाया जाएगा:—

- (1) जहां कैरेट के अनुसार स्वर्ण की मदों का निर्यात किया गया है, स्वर्ण की मात्रा को निर्यातित स्वर्ण के कैरेट की संख्या से गुना करके 24 से विभाजित किया जाएगा और उसके बाद पुनः 0.995/0.999/0.9999 से विभाजित किया जाएगा ताकि क्रमशः 0.995/0.999/0.9999 की परिशुद्धता वाले स्वर्ण की समकक्ष मात्रा आंकी जा सके, और
- (2) जहां कहीं निर्यात की मद की शुद्धता, परिशुद्धता के अनुसार बताई जाती है, स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की मात्रा निर्यातित स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की परिशुद्धता से गुना की जाएगी और उसके बाद 0.995/0.999/0.9999 से विभाजित की जाएगी ताकि क्रमशः 0.995/0.999/0.9999 परिशुद्धता के अनुसार स्वर्ण/चांदी/प्लेटिनम की समकक्ष मात्रा आंकी जा सके ।

2. पैराग्राफ 8.64 को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :—

निर्यातक तत्काल आधार पर बहुमूल्य धातु की आवश्यक मात्रा अग्रिम रूप से प्राप्त कर सकता है बशर्ते नामित एजेंसी द्वारा निर्धारित की गई राशि की बैंक गारंटी नामित एजेंसियों को सौंपी जाए । निर्धारित अवधि के भीतर निर्यात करने में असफल होने पर नामित एजेंसियां बैंक गारंटी लागू कर देंगी ।

3. पैराग्राफ 8.66 को संशोधित करके निम्नलिखित अनुसार पढ़ा जाएगा :

निर्यातक नामित अधिकरणों द्वारा निर्धारित की जाने वाली राशि के लिए, नामित अधिकरणों को बैंक गारंटी प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन ऋण आधार पर बहुमूल्य धातु की अपेक्षित मात्रा, प्राप्त कर सकता है ।

4. पैराग्राफ 8.87 को संशोधित करके निम्नलिखित अनुसार पढ़ा जाएगा :

8.87 निर्यातक द्वारा दायित्व की पूर्ति में वास्तविक चूक के मामलों में जिसने नामित अधिकरणों से बहुमूल्य धातु प्राप्त की है उसे नियमित

किया जा सकता है बशर्ते कि निर्यातक ने सीमाशुल्क और उस पर 24 प्रतिशत ब्याज सीमाशुल्क प्राधिकारी को अदा कर दिया है। तथापि, अग्रिम लाइसेंस के मामले में प्रक्रिया पुस्तक के अध्याय-7 में दिए गए प्रावधान लागू होंगे। इससे निर्यातक के विरुद्ध विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992, उसके अधीन जारी आदेश या नियमों के अधीन की जाने वाली किसी कार्रवाई पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। लाइसेंसिंग प्राधिकारियों और उनके क्षेत्राधिकार की सूची के परिशिष्ट-29 में निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे :—

- (क) क्रम सं. 2 में, संयुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार, कलकत्ता के क्षेत्राधिकार से कटक हटा दिया जाएगा।
- (ख) क्रम संख्या 7 में, संयुक्त महानिदेशक, विदेश व्यापार, अहमदाबाद के क्षेत्राधिकार से सूरत हटा दिया जाएगा।
- (ग) क्रम सं. 10 में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :
 - (x) उप महानिदेशक विदेश व्यापार, सूरत परिशिष्ट-27 में दिए गए अनुसार उप महानिदेशक, विदेश व्यापार सूरत के क्षेत्राधिकार में आने वाले जिले
- (घ) क्रम सं. 11 में निम्नलिखित जोड़ा जाएगा :
 - (xi) उप महानिदेशक विदेश व्यापार कटक परिशिष्ट-27 में दिए गए अनुसार उप महानिदेशक विदेश व्यापार कटक के क्षेत्राधिकार में आने वाले जिले।

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

एस.बी. महापात्र, महानिदेशक विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 27 (PN) 1997—2002

New Delhi, the 25th July, 1997

F. No. PRU/AS/97098/G & J :—In exercise of powers conferred under paragraph 4.14 of the Export and Import Policy, 1997—2002, published in the Gazette of India extraordinary, Part-II Section 3-Sub-section (ii) *vide* S.O. No. 283 (E) dated 31-3-97, the Director General of Foreign Trade hereby makes following amendment in the Handbook of Procedures (Vol 1), 1997—2002:

1. The paragraph 8.37 shall be corrected to read as follows :

8.37 For conversion of quantity of gold/platinum in terms of equivalent quantity in terms of fineness, the following formula shall be used :

- (i) Where items of gold has been exported in terms of carats, the quantity of gold shall be multiplied by the number of carat of gold exported, divided by 24 and thereafter again divided by 0.995/0.999/0.9999 to arrive at the equivalent quantity of gold in terms of fineness of 0.995/0.999/0.9999 respectively; and
- (ii) Wherever the purity of the item of export is expressed in terms of fineness, the quantity of gold/silver/platinum shall be multiplied by the fineness of gold/silver/platinum exported and thereafter divided by 0.995/0.999/0.9999 to arrive at the equivalent quantity of gold/silver/platinum in terms of 0.995/0.999/0.9999 fineness respectively'.

2. The paragraph 8.64 shall be amended to read as follows :

The exporter may obtain the required quantity of precious metal in advance on outright purchase basis subject to furnishing of Bank Guarantee to the nominated agencies for an amount as may be prescribed by the nominated agency. On failure to effect exports within the period prescribed, the nominated agencies shall enforce the Bank Guarantee.

3. The paragraph 8.66 shall be amended to read as follows :

The exporter may obtain the required quantity of precious metal on loan basis subject to furnishing of Bank Guarantee to the nominated agencies for an amount as may be prescribed by the nominated agencies. On failure to effect exports within the period prescribed, the nominated agencies shall enforce the Bank Guarantee.

4. The paragraph 8.87 shall be amended to read as follows :

'8.87 The cases of bonafide default in fulfilment of export obligation by an exporter who has obtain precious metals from the nominated agencies may be regularised provided the exporter has paid customs duty alongwith 24% interest thereon to the Customs. However, in the case of advance licence, the provisions as given in chapter-7 of this Handbook shall apply. This shall be without prejudice to any action that may be taken against the exporter under the Foreign Trade (Development and Regulation) Act 1992, the Order or the Rules issued thereunder'.

5. Following amendments shall be made in appendix-29 of the 'List of licensing authorities and their jurisdiction'.

(a) In S. No. (ii), Cuttack shall be deleted against the jurisdiction of Jt. DGFT, Calcutta.

(b) In S. No. (viii), Surat shall be deleted against the jurisdiction of Jt. DGFT, Ahmedabad.

(c) the following shall be inserted at S. No.(X).

(x) Dy. DGFT, Surat	Districts falling under the jurisdiction of Dy. DGFT Surat as given in Appendix 27.
---------------------	---

(d) the following shall be inserted at S. No.(XI)

(xi) Dy. DGFT, Cuttack	Districts falling under the jurisdiction of Dy. DGFT Cuttack as given in Appendix 27.
------------------------	---

This issues in public interest.

S.B. MOHAPATRA, Director General of Foreign Trade

